

कशा स्त्री. (तत्.) 1. चाबुक, कोड़ा 2. रस्सी।

कशाघात पुं. (तत्.) 1. कशा का आघात, कोड़े की मार 2. चाबुक मारना, कोड़े से मारना 3. लाश. किसी कार्य को करने के लिए विवश करने वाली तीव्र प्रेरणा।

कशिश स्त्री. (फा.) 1. खिंचाव, आकर्षण 2. आकर्षण-शक्ति।

कशीदा पुं. (फा.) कपड़े पर बेल-बूटे काढ़ने का काम, कपड़े पर तागे से बनाए या काढ़े गए बेल बूटे।

कशीदाकार वि. (फा.) 1. चिकन काढ़ने वाला, कशीदाकारी करने वाला 2. पुं. कशीदा काढ़ने का काम करने वाला व्यक्ति, कशीदाकारी करने वाला कारीगर।

कशीदाकारी स्त्री. (फा.) 1. कपड़े पर बेल-बूटे काढ़ना, चिकन काढ़ना 2. कशीदे का काम या कारीगरी।

कशीदेदार जिल्द स्त्री. (फा.) पुस्तक पर चढ़ी हुई ऐसी जिल्द जिस पर कढ़ा हुआ कपड़ा चढ़ा हो।

कशेरुका स्त्री. (तत्.) रीढ़, मेरुदंड।

कशेरुकी पुं. (तत्.) प्राणि. वे प्राणी जिनके रीढ़ होती है, रीढ़ वाले प्राणी, इन प्राणियों के पाँच वर्ग होते हैं, स्तनी, सरीसृप, पक्षी, मछलियाँ तथा उभयचर।

कशेरु पुं. (तत्.) 1. रीढ़, मेरुदंड 2. जल में पैदा होने वाला कसेरु नामक पौधा 3. कसेरु का फल।

कशेरुक पुं. (तत्.) रीढ़ बनाने वाली छोटी-छोटी हड्डियों में से प्रत्येक हड्डी, गुरिया, मेरु 2. जल में उत्पन्न होने वाले 'कसेरु' नामक पौधे के 'फल' 3. कसेरु नामक जलज पौधा।

कशेरुक दंड पुं. (तत्.) रीढ़ की हड्डी, मेरुदंड।

कशती स्त्री. (फा.) नौका, नाव, किशती।

कशमकश पुं. (फा.) दे. कशमकश।

कश्मल पुं. (तत्.) (i) 1. उत्साहहीनता, पाप, मोह, मूर्च्छा वि. मैला, गंदा 2. दूषित, बुरा 3. मानसिक दीनता 4. निंदाकार।

कश्मीर पुं. (तत्.) एक सुंदर प्रदेश।

कश्मीरज पुं. (तत्.) 1. कश्मीर में उत्पन्न होने वाला प्राणी, वस्तु 2. केशर वि. कश्मीर में उत्पन्न।

कश्मीरा पुं. (तद्.) दे. कश्मीरा।

कश्मीरी पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो कश्मीर में रहता हो, कश्मीर का निवासी स्त्री. (तत्.) 1. कश्मीर की वस्तु 2. कश्मीर की भाषा वि. (तत्.) कश्मीर का (की), कश्मीर से संबंधित, कश्मीर विषयक।

कष पुं. (तत्.) कसने, जांचने तथा परखने की क्रिया, भाव 2. जाँच, परीक्षा 3. निकष, कसौटी 4. रगड़ने वाला (कसौटी वाला पत्थर)।

कषण पुं. (तत्.) 1. कसौटी पर कसने या जाँचने की क्रिया, भाव 2. जाँच, परीक्षण 3. रगड़ने, घिसने की क्रिया या भाव।

कषण स.क्रि. (तद्.) 1. रगड़ना। 2. चिह्न लगाना 3. परखना जाँचना पुं. कसने जाँचने की क्रिया, भाव वि. कच्चा।

कष-पट्टिका स्त्री. (तत्.) कसौटी, निकष।

कषाय वि. (तत्.) 1. कसैला 2. गेरु के रंगवाला, गैरिक 2. गेरु रंग का पुं. (तत्.) 1. कसैला स्वाद 2. कसैले स्वाद वाला पदार्थ 3. क्वाथ, काढ़ा।

कषायित वि. (तत्.) जिसे कसैला किया गया हो 1. कसैले स्वाद से युक्त 2. बुरे-मनोविकारों से बिगड़ा हुआ 3. गेरु के रंग से रँगा हुआ, गेरुआ।

कषासा वि. (तत्.) जिससे रगड़ पैदा होती हो, रगड़ पैदा करने वाला।

कषित वि. (तत्.) 1. जिसे खींचा गया हो, खिंचा या खींचा हुआ 2. क्षतिग्रस्त 3. हानिग्रस्त 4. कष्ट पाया हुआ, जिसे कष्ट हुआ हो।

कष्ट पुं. (तत्.) 1. दुख 2. पीड़ा, व्यथा 3. विपत्ति, मुसीबत 4. श्रम, परेशानी।